Sl Code: 211

2017 [ANNUAL]
MATRIC EXAMINATION

Roll No. of Candidate:-.........................

मातृभाषा–हिन्दी

Total Questions: 20

Total Printed Pages: 08

[Time: 03 Hrs. 15 Minutes]

[Full Marks: 100]

परीक्षार्थी के लिये निर्देश

Instructions for the candidate:

1. परीक्षार्थी यथा संभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।

   Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

2. दाहिनी ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।

   Figures in the right hand margin indicate full marks.

3. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

   All questions are compulsory.

4. उत्तर देते समय परीक्षार्थी यथासंभव शब्द–सीमा का ध्यान रखें।

   While answering, the candidate should adhere to the word limit as far as practicable.

5. इस प्रश्न पत्र को पढ़ने के लिये 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।

   15 Minutes of extra time has been allotted for the candidates to read the questions.

by: BSEBResult.In

1. (अ) निम्नांकित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दें : (6×2=12)

बंगाल तथा बिहार के नील उत्पादक किसानों की स्थिति बहुत ही दयनीय थी। विशेषकर बिहार मे नीलहे गोरों द्वारा तीनफठिया व्यवस्था प्रचलित की गयी थी, जिसमें किसानों को अपनी भूमि के 3/20 हिस्से पर नील की खेती करनी होती थी। यह सामान्यतः सबसे उपजाऊ भूमि होती थी। किसान नील की खेती नहीं करना चाहते थे क्योंकि इससे भूमि की उर्वरता कम हो जाती थी। यद्यपि 1908 ई. मे तीनकठिया व्यवस्था में कुछ सुधार लाने की कोशिश की गई थी, परन्तु इससे किसानों की गिरती हुई हालत में कोई परिवर्तन नहीं हुआ। बागान मालिक किसानों को अपनी उपज एक निश्चित धन राशि पर केवल उन्हें ही बेचने के लिए बाध्य करते थे और यह राशि बहुत ही कम होती थी। इस समय जर्मनी के वैज्ञानिकों ने कृत्रिम नीले रंग का उत्पादन करना शुरु कर दिया था जिसके परिणाम स्वरुप विश्व के बाजारों में भारतीय नील की माँग गिर गई। चम्पारण के अधिकांश बागान मालिक यह महसूस करने लगे कि नील के व्यापार में अब उन्हें अधिक मुनाफा नहीं होगा। इसलिए मुनाफे को बनाये रखने के लिए उन्होंने अपने घाटों को किसानों पर लादना शुरु कर दिया। इसके लिए जो रास्ते उन्होंने अपनाए उसमें किसानों से यह कहा गया कि यदि वे उन्हें एक बड़ा मुआवजा दे दें तो किसानों को नील की खेती से मुक्ति मिल सकती है। इसके अतिरिक्त उन्होंने लगान में अत्यधिक वृद्धि कर दी।

BSEBResult.In

by: BSEBResult.In

निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर दें। (प्रत्येक 30 शब्दों तक में)

(क) नील उत्पादक किसानों की स्थिति कैसी थी?

(ख) किसान नील की खेती क्यों नहीं कराना चाहते थे?

(ग) 1908 ई. में क्या सुधार लाने की कोशिश की गई थी?

(घ) कृत्रिम नीले रंग का उत्पादन किसने शुरु कर दिया था?

(ङ) चम्पारण के बागान मालिक क्या महसूस करने लगे?

(च) किसानों को नील की खेती से मुक्ति के लिए कौन से रास्ते बताये गये?

(ब) निम्नांकित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दें : (4×2=8)

राष्ट्रवाद का शाब्दिक अर्थ होता है "राष्ट्रीय चेतना का उदय"। ऐसी राष्ट्रीय चेतना का उदय जिसमें राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक एकीकरण का आभास हो। 19वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध तक भारत छोटे – छोटे राज्यों में विभक्त था। उस समय भारत को एकता के सूत्र में बाँधने वाले तत्वों का अभाव था। समान न्याय व्यवस्था का अभाव था। राष्ट्रीय एकता में कमी का अर्थ है उस अनुभूति का अभाव जो भारत में रहने वाले सभी लोगों को समान लक्ष्य एवं समान सरोकार से जोड़े। 19वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में कई ऐसे तत्व उभरे जिससे ये कमी दूर होती गयी एवं भारत एक सम्पूर्ण संगठित राष्ट्र का स्वरुप ग्रहण करने लगा। यही राष्ट्रवाद है एवं इसी राष्ट्रवाद की अभिव्यक्ति स्वतंत्रता संग्राम है।

निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर दें। (प्रत्येक 30 शब्दों तक में)

(क) राष्ट्रवाद का शाब्दिक अर्थ क्या होता है?

(ख) किस शताब्दी के पूर्वार्द्ध तक भारत छोटे – छोटे राज्यों में विभक्त था?

(ग) भारत में एकता के सूत्र में बाँधने वाले किन तत्वों का अभाव था?

(घ) भारत सम्पूर्ण संगठित राष्ट्र का स्वरूप किस शताब्दी में ग्रहण करने लगा?

BSEBResult.In

by: BSEBResult.In

2 दिये गये संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 250 शब्दों में एक विषय पर निबंध लिखें : (10)

(क) 'दुर्गापूजा'

(i) भूमिका

(ii) पर्व मनाने के पीछे धार्मिक कथाएँ

(iii) मनाने का समय

(iv) उपसंहार

(ख) 'छात्र और अनुशासन'

(i) भूमिका

(ii) अनुशासन का महत्व

(iii) अनुशासन का मार्गदर्शन

(iv) उपसंहार

(ग) 'मेरा प्रिय कवि'

(i) भूमिका

(ii) उनकी रचना का आधार

(iii) उनकी रचना

(iv) उपसंहार

BSEBResult.In
by: BSEBResult.In

3. अपने मित्र के पास एक पत्र लिखें जिसमें चिड़िया-खाना भ्रमण की चर्चा करें। (5)

<u>अथवा</u>

अनुपस्थिति दण्ड माफ करने के लिए प्रधानाध्यापक के पास एक आवेदन पत्र लिखें।

4. उपसर्ग और प्रत्यय में अन्तर स्पष्ट करें। (5)

<u>अथवा</u>

बनावट के विचार से शब्द के कितने भेद हैं? सोदाहरण लिखें।

5. निम्नलिखित शब्दों के दो – दो पर्यायवाची शब्द लिखें : (5)

(i) आँख

(ii) पानी

(iii) हवा

(iv) सूर्य

(v) आकाश

6. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखें – (5)

(i) जिस पर विजय प्राप्त नहीं किया जा सके।

(ii) जिसके आने की तिथि मालूम न हो।

(iii) जो ईश्वर में विश्वास करता है।

(iv) नभ में विचरण करने वाला।

(v) जो अधिक बोलता है।

BSEBResult.In

by: BSEBResult.In

7. स्तम्भ 'अ' और स्तम्भ 'ब' का सही मिलान सामने लिख कर करें। (6×1=6)

स्तम्भ 'अ'		स्तम्भ 'ब'
(i) विष के दाँत	–	हजारी प्रसाद द्विवेदी
(ii) नाखून क्यों बढ़ते है	–	नलीन विलोचन शर्मा
(iii) मछली	–	वीरेन डंगवाल
(iv) भारत माता	–	प्रेमघन
(v) स्वदेशी	–	सुमित्रानन्दन पंत
(vi) हमारी नींद	–	विनोद कुमार शुक्ल

8. जातिप्रथा भारत में बेरोजगारी का एक प्रमुख और प्रत्यक्ष कारण कैसे बनी हुई है? (3)

(उत्तर लगभग 30 शब्दों में)

BSEBResult.In

9. काशू और मदन के बीच झगड़ों का कारण क्या था? इस प्रसंग के द्वारा लेखक क्या दिखाना चाहता है? (3)

10. लेखक की दृष्टि में सच्चे भारत के दर्शन कहाँ हो सकते है और क्यों? (3)

(उत्तर लगभग 30 शब्दों में)

11. बहादुर पर ही चोरी का आरोप क्यों लगाया जाता है और उस पर इस आरोप का क्या असर पड़ता है?

(उत्तर लगभग 30 शब्दों में) (3)

by: BSEBResult.In

12 महल और झोपड़ी वालों की लड़ाई में अक्सर महल वाले ही जीतते हैं, पर उसी हालत में जब दुसर झोपड़ी वाले उनकी मदद अपने ही खिलाफ करते हैं।

प्रश्न

(i) प्रस्तुत गद्यांश का लेखक कौन है? (1)

(ii) यह किस शीर्षक पाठ से ली गयी है? (1)

(iii) इस प्रसंग के द्वारा लेखक क्या दिखाना चाहता है? (उत्तर लगभग 30 शब्दों में) (3)

13 भारत माता अपने ही घर में प्रवासिनी क्यों बनी हुई है? (3)

14. कवि किन अत्याचारियों का और क्यों जिक्र करता है? (3)

15. कवि को वृक्ष बूढ़ा चौकीदार क्यों लगता था? (3)

16. कवि अपने को जलपात्र और मदिरा क्यों कहता है? (3)

17 निम्नांकित पद्यांश के आधार पर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

हुँकारों से महलों की नींव उखड़ जाती,
साँसों के बल से ताज हवा में उड़ता है,
जनता की रोके राह, समय में ताव कहाँ,
वह जिधर चाहती, काल उधर ही मुड़ता है,

(i) प्रस्तुत पंक्तियाँ किस पाठ से ली गयी हैं? (1)

(ii) इस पाठ के रचनाकार कौन हैं? (1)

(iii) इस पद्यांश का भाव अपने शब्दों में लिखें। (3)

BSEBResult.In

by: BSEBResult.In

18. ममता का अपनी बहू के साथ किस बात को लेकर विवाद था? (उत्तर लगभग 40 शब्दों में) (4)

19. माँ कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर विचार करें। (उत्तर लगभग 30 शब्दों में) (3)

20. सीता अपने ही घर में क्यों घुटन महसूस करती है? (उत्तर लगभग 30 शब्दों में) (3)

BSEBResult.In

बिहार बोर्ड से संबंधित सभी जानकारी, लेटेस्ट न्यूज़, प्रश्न पत्र, मॉडल पेपर, एडमिट कार्ड, रजिस्ट्रेशन कार्ड, परीक्षा तिथियां, आधिकारिक डायरेक्ट लिंक इत्यादि सबसे पहले पाने के लिए...

BSEBResult.In

विजिट करें।

by: BSEBResult.In